संपादकीय

जीत की इंजीनियरिंग

पंजाब के अपवाद को छोड़ दें तो उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा व मणिपुर में भाजपा की दमदार वापसी ने चुनाव पडितों को भी हैरत में डाला है। इसमें भी उ.प्र. में कई मिथक तोडक़र योगी सरकार की वापसी कई मायनों में चौंकाने वाली है। निस्संदेह, सपा के सूत्रधार अखिलेश ने यादव, जाट व मुस्लिम गठजोड़ बनाकर जो कड़ी चुनौती भाजपा के लिये पैदा की, उसमें चुनाव विश्लेषक भाजपा की जीत की राह को संदेह से देख रहे थे। लेकिन बृहस्पतिवार को जब चुनाव परिणाम आये तो चुनाव पंडितों के चौंकने की बारी थी। दिल्ली की गद्दी की राह तय करने वाले प्रदेश के चुनाव परिणामों के समीकरणों को भाजपा व नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का लिटमस टेस्ट माना जा रहा था। यह भी कि इसके परिणाम 2024 के आम चुनाव की दिशा-दशा तय करेंगे। इस कसौटी पर भाजपा खरी उतरी है। इसे नरेंद्र मोदी की अगले आम चुनाव में दावेदारी के रूप में देखा जाने लगा है। फिलहाल भाजपा के चुनाव प्रबंधन का तोड़ विपक्ष के पास नहीं है। यह भी कि नरेंद्र मोदी की अगुवाई में वर्ष 2014 से बदलाव की राजनीति का जो उपक्रम शुरू हुआ था, उसका तिलिस्म अभी बाकी है। खामियों का जिम्मा राज्य सरकार पर और उपलब्धियों का श्रेय केंद्र सरकार के खाते में डालने वाला तंत्र यह मंत्र मतदाताओं को समझाने में कामयाब रहा है। तभी कोरोना संकट की टीस, महंगाई, सत्ता के विरुद्ध उपजे आक्रोश, बेरोजगारी तथा आवारा पशुओं के संकट के बावजूद उ.प्र के मतदाताओं ने भाजपा को फिर सत्ता सौंप दी। ऐसा भी नहीं है कि भाजपा ने सिर्फ ध्रुवीकरण का ही सहारा लिया हो, उसने लोक कल्याण कार्यक्रमों, विकास योजनाओं व मोदी की छवि को भी भुनाया है। यह विश्वास जनता को दिलाया है कि नेतृत्व के जरिये सुरक्षा देने का काम नरेंद्र मोदी ही कर सकते हैं। उसके जनाधार में महिलाओं, पिछड़ी जतियों के साथ ही परंपरागत वोट भी थोड़ी-बहुत नाराजगी के साथ जुड़ा रहा है। निस्संदेह, विपक्ष भाजपा के सामने कोई वैचारिक विकल्प प्रस्तुत नहीं कर सका। जो मुद्दे थे भी, उन्हें जमीनी स्तर पर नहीं उतार पाया। ममता बनर्जी के नेतृत्व में मोदी का विकल्प बनने के जो प्रयास शुरू हुए थे उनको इससे झटका लग सकता है। भले ही उ.प्र. में सपा गठबंधन की चुनौती को भांपते हुए भाजपा ने अपनी पूरी मशीनरी जनाधार को बचाने के लिये लगा दी हो, लेकिन इस जीत से योगी आदित्यनाथ का कद पार्टी संगठन में मजबूत हुआ है। एक समय मुख्यमंत्री का चेहरा बदलने की बात हो रही थी, वही चेहरा नूरानी होकर निकला है। बहरहाल, इन चुनाव परिणामों ने कई क्षेत्रीय व वंशवादी राजनीतिक दलों के अवसान की भी इबारत लिख दी। उ.प्र. में बसपा का सिमटना और कांग्रेस का हश्र यही कहता है। वहीं पंजाब में अकाली दल के इतिहास में सबसे बड़ी शिकस्त सामने आई है। बहुत संभव है कांग्रेस पार्टी में बाहरी नेतृत्व का प्रश्न एक बार फिर उठे। बहरहाल, चर्चा उ.प्र. में भाजपा की चुनाव इंजीनियरिंग की भी होगी कि गहरे आक्रोश को कम करके भाजपा कैसे सत्ता में लौटी। निस्संदेह, विपक्षी दलों के अस्तित्व के लिये उ.प्र. चुनाव एक अग्नि परीक्षा की तरह ही थे। मगर भाजपा ने उ.प्र. व उत्तराखंड में अपना मत प्रतिशत बढ़ाकर आलोचकों की बोलती बंद कर दी। लेकिन विश्लेषकों को यह सवाल मथ रहा है कि आखिर क्या वजह थी कि बेरोजगारी, महंगाई व व्यवस्था की विसंगतियों से क्षुब्ध होते हुए मतदाता ने मतदान स्थल पर अपना मन बदला। निस्संदेह, इसमें भाजपा के कोर वोटर वर्ग, ध्रुवीकरण के साथ विकास के मुद्दे भी प्रभावी रहे और एक भरोसा यह भी कि डबल इंजन की सरकार देर-सवेर बदलाव की वाहक बन सकती है। निस्संदेह, दिल्ली आप सरकार की कामयाबी, बिजली-पानी, चिकित्सा व शिक्षा के मुद्दों ने पंजाब के जनमानस को प्रभावित किया, लेकिन ऐसी ही कोशिश आप ने उत्तराखंड व गोवा में मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करके भी की थी, जबकि कामयाबी नहीं मिली। सही मायनों में पंजाब में आप की जीत के मूल में परंपरागत राजनीतिक दलों से मोह भंग होना व किसान आंदोलन से उपजी कसक भी शामिल थी।

चार सप्ताह की गिरावट के बाद अब उबरा शेयर बाजार

रूस-यूक्रेन संकट और महंगाई आंकड़ों का रहेगा असर

मुंबई। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम और कच्चे तेल की कीमत में आई नरमी से उत्साहित निवेशकों को लिवाली की बदौलत दो प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाकर पिछले चार सप्ताह की गिरावट से उबरे शेयर बाजार पर अगले सप्ताह रूस-यूक्रेन संकट, महंगाई और औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों का असर रहेगा।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1216.49 अंक यानी 2.24 प्रतिशत की छलांग लगाकर 55 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 55550.30 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 385.1 अंक अर्थात 2.37 प्रतिशत उछलकर 16630.45 अंक पर पहुंच गया।

समीक्षाधीन सप्ताह में दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में भी लिवाली का जोर रहा। बीएसई का मिडकैप 691.37 की तेजी के साथ 23309.95 अंक और स्मॉलकैप 854.77 अंक चढक़र 27141.43 अंक हो गया।

विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह वैश्विक बाजार की दिशा निर्धारित करने में फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक और रूस-यूक्रेन मुद्दा की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हालांकि पांच में से चार राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट से घरेलू शेयर बाजार पिछले लगातार चार सप्ताह की गिरावट से उबरने में कामयाब रहा है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक कारकों के अलावा स्थानीय स्तर पर 14 जनवरी को जारी होने वाले खुदरा और थोक महंगाई के आंकड़ों का बाजार पर असर रहेगा। इसके अलावा अगले सप्ताह औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े जारी होने की संभावना है। बाजार पर इसका प्रभाव भी देखा जा सकेगा।

दुबई एक्सपो 2020 : भारतीय इस्पात क्षेत्र में निवेश के अवसर बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली। दुबई में भारतीय पवेलियन में केंद्रीय मंत्री रामचंद्र प्रसाद सिंह ने एक्सपो 2020 में इस्पात सप्ताह का उद्घाटन किया। इस्पात सप्ताह 17 मार्च 2022 तक चलेगा जिसमें भारत की क्षमताओं को प्रदर्शित करते हुए संयुक्त अरब अमीरात(यूएई) के निवेशकों को आमंत्रित किया जायेगा।

इस अवसर पर स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड और एएम/एनएस इंडिया सहित प्रमुख भारतीय इस्पात उत्पादक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भारतीय इस्पात क्षेत्र पर चर्चा करते हुए श्री सिंह ने कहा,हमारे माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, सरकार मेक-इन-इंडिया को मेक-इन-स्टील के रूप में साकार करते हुए एक पसंदीदा सामग्री के तौर पर इस्पात के साथ नए भारत का निर्माण कर रही है। इसके साथ-साथ सरकार इस्पात के क्षेत्र में त्वरित विकास की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस्पात मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि प्रतिनिधिमंडल चने दाना स्टील, शराफ ग्रुप और डीपी वर्ल्ड सहित संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की विभिन्न इस्पात कंपनियों के साथ बैठक की। प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त अरब अमीरात की स्थानीय निर्माण कंपनियों, इस्पात के उपयोगकर्ताओं और आयातकों के साथ दोनों देशों के बीच इस्पात के व्यापार को बढ़ाने के लिए सहयोग की संभावनाओं को समझने और भारत-यूएई सीईपीए द्वारा प्रदत्त सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए बैठक की।

भारत ने कजाखिस्तान को 29-21 से हराया

लखनऊ। भारतीय महिला जूनियर हैंडबाल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अल्माटी (कजाखिस्तान) में खेली जा रही 16वीं जूनियर महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में आज टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीम मेजबान कजाखिस्तान को 29-21 से हराकर पदक जीतना तय कर लिया।

इस मैच में भारतीय लड़कियों ने मध्यांतर तक शानदार अटैक के सहारे 15-09 की बढ़त बना ली थी। यह पहली बार है जब भारतीय लड़कियों ने कजाखिस्तान व उज्जबेकिस्तान जैसी मजबूत टीमों को हराया।

भारत की ओर से भावना ने सर्वाधिक 9 गोल दागे। उनका साथ देते हुए जस्सी व कप्तान प्रियंका ठाकुर ने 5-5 गोल किये। प्रियंका व मोनिका को 4-4 गोल तथा संजना कुमारी को 2 गोल करने में सफलता मिली। इस दौरान भारतीय टीम की गोलकीपर चेतना ने बहुत ही शानदार खेल दिखाते हुए कई शानदार बचाव किए।

भारतीय टीम अब अपना अंतिम मैच सोमवार को थाईलैंड के खिलाफ खेलेगी।

अनिल अंबानी की दिवालिया कंपनी को खरीदने के लिए अडानी, केकेआर समेत ने लगाई बोली

नई दिल्ली। कर्ज में फंसी अनिल अंबानी की रिलायंस कैपिटल को खरीदने के लिए अडानी से लेकर पिरामल , केकेआर समेत कई बड़ी कंपनियां कतार में हैं। रिलायंस कैपिटल को खरीदने के लिए अडानी फिनसर्व , केकेआर, पिरामल फाइनेंस और पूनावाला फाइनेंस समेत 14 प्रमुख कंपनियों ने रूचि दिखाई हैं। ये कंपनियां कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के अधिग्रहण के लिए बोली लगाई हैं।

सूत्रों ने बताया कि जिन अन्य कंपनियों ने रिलायंस कैपिटल के लिए ईओआई जमा कराया है उनमें अर्पवुड, वर्दे पार्टनर्स, मल्टीपल्स फंड, निप्पन लाइफ, जेसी फ्लॉवर्स, ब्रुकफील्ड, ऑक्ट्री, अपोलो ग्लोबल, ब्लैकस्टोन और हीरो फिनकॉर्प शामिल हैं। बता दें कि कंपनी पर 40,000 करोड़ रुपये का कर्ज है।

25 मार्च है बोली लगाने की अंतिम तारीख- रिलायंस कैपिटल के लिए बोलियां दाखिल करने की तारीख भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नियुक्त प्रशासक ने 11 मार्च निर्धारित की थी जिसे अब बढ़ाकर 25 मार्च कर दिया गया है। बोली दाखिल करने की समयसीमा कुछ संभावित बोलीदाताओं के अनुरोध पर बढ़ाई गई है, जिन्होंने रुचि पत्र (ईओआई) दाखिल करने के लिए कुछ और समय मांगा था। सूत्रों ने बताया कि ज्यादातर बोलीदाताओं ने पूरी कंपनी के लिए बोली लगाई है।

यह तीसरी सबसे बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है जिसके खिलाफ केंद्रीय बैंक ने हाल में दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत दिवाला कार्यवाही शुरू की है। दो अन्य कंपनियां श्रेई ग्रुप की एनबीएफसी तथा दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएचएफएल) हैं।

दुबई में कोनारस इस्पात फैक्टरी, बंदरगाह का भ्रमण किया इस्पात मंत्री रामचंद्र प्रसाद सिंह ने

नई दिल्ली। केंद्रीय इस्पात मंत्री रामचंद्र प्रसाद सिंह ने दुबई में कोनारस इस्पात फैक्टरी और दुबई बंदरगाह का भ्रमण किया। यह कंपनी भारत से मंगाए गए इस्पात का फिर से प्रसंस्कृत कर तैयार माल विकसित औद्योगिक देशों में भेजती है।

श्री सिंह ने एक ट्वीट में यह जानकारी देते हुए कहा, कोनारस स्टील फैक्टरी और दुबई बंदरगाह का भ्रमण किया। कोनारस भारत में बने इस्पात का फिर से प्रसंस्करण कर अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय बाजारों के लिए नए उत्पाद तैयार करती है। दुबई बंदरगाह ने कंटेनरों को चढ़ाने उतारने की शानदार सुचालित प्रौद्योगिकी लागू की है। इस बीच मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार केंद्रीय इस्पात मंत्री ने भारत को इस्पात क्षेत्र के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए दुबई स्थित कई कंपनियों के साथ बातचीत की है। विज्ञप्ति के अनुसार श्री सिंह ने शुक्रवार को दुबई में वहां कि कंपनियों के साथ बातचीत की ताकि भारत को इस्पात क्षेत्र के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में बढ़ावा दिया जा सके और देश में संयंत्रों और विनिर्माण इकाइयों की स्थापना की जा सके। इस दौरान दाना स्टील, शराफ ग्रुप, दुबई पोर्ट वर्ल्ड और स्टील मास्टर इंटरनेशनल ने दुबई में स्टील के उपयोग की अनूठी जानकारी श्री सिंह से साझा की।

दो बल्लेबाजों ने शतक और एक खिलाड़ी ने ठोका दोहरा शतक, रणजी ट्रॉफी के प्री क्वार्टर फाइनल में झारखंड ने बनाए 769 रन

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी 2021-22 का प्री-क्वार्टर फाइनल मैच झारखंड और नागालैंड के बीच कोलकाता के ईडन गार्डेंस स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में झारखंड की टीम ने नागालैंड के सामने विशाल स्कोर खड़ा कर दिया है। यहां तक कि टीम अभी भी 750 से ज्यादा रन बनाने के बाद भी ऑलआउट नहीं हुई है। झारखंड की टीम की तरफ से दो बल्लेबाजों ने शतक और एक बल्लेबाज ने दोहरा शतक ठोक दिया है और नागालैंड के सामने ये स्कोर काफी ज्यादा होगा।

इस मैच में नागालैंड के कप्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। ऐसे में पहले बल्लेबाजी करते हुए झारखंड की टीम को अच्छी शुरुआत मिली थी। यहां तक कि अब दो दिन का खेल समाप्त हो गया है, लेकिन टीम अभी भी ऑलआउट नहीं हुई है। झारखंड की टीम ने अब तक 177 ओवर बल्लेबाजी की है और 769 रन बना लिए हैं। इसमें विराट सिंह और शाहबाज नदीम का शतक शामिल है, जबकि कुमार कुशाग्र ने नागालैंड के खिलाफ दोहरा शतक ठोका है। विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र ने 270 गेंदों में 37 चौके और 2 छक्कों की मदद से 266 रन बनाए, जबकि विराट सिंह ने 153 गेंदों में 13 चौके की मदद से 107 रन बनाए। इनके अलावा शाहबाज नदीम ने 223 गेंदों में 123 रन बनाए और वे दूसरे दिन के आखिर में नाबाद लौटे। माना जा रहा है कि झारखंड की टीम अब तीसरे दिन की सुबह नागालैंड की टीम को बल्लेबाजी के लिए न्योता देगी और अपनी पारी की घोषणा करेगी। हो भी सकता है कि आगे भी झारखंड बल्लेबाजी करे।

आज का राशिफल

मेष : स्वास्थ्य संबंधी कुछ कठिनाइयां मन को परेशान करेंगी। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी। पुरानी मर्मस्पर्शी बातें आपको भावनात्मक रूप से नीरस बना सकती हैं। घर में खुशहाली रहेगी।

बृषभ : महत्वपूर्ण दायित्व पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगे। अत्याधिक कार्यो के बोझ से मन परेशान होगा। मन को सकारात्मक दिशा में सक्रिय करते हुए स्वयं को ऊर्जावान बनाये रखने का प्रयास करें।

मिथुन : जीवनसाथी के भावनात्मक सहयोग से उत्साह का संचार होगा। कोई महत्वपूर्ण कार्य सार्थक होने का योग है। मधुरवाणी से सगे-संबंधों के बीच प्रगाढ़ता बढ़ाएंगे। आलस्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अवरोधक होगा।

कर्क : जीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। किसी संबंधी अथवा खुद की अस्वस्थता से परेशान हो सकते हैं।

सिंह : नये कार्यों में ब्यस्तता बढ़ेगी। किसी इच्छित कार्य की पूर्ति से प्रसन्नता संभव। सगे-संबंधों में नैतिक कर्तव्यों से विमुख न हों। पूरा दिन अध्यात्मिक एवं पारंपरिक कार्यों में ब्यतीत होगा।

कन्या : अच्छे आचार-विचार से सगे-संबंधों में लोकप्रिय बनेंगे। नई आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। स्वास्थ्य का पूरा ख्याल रखें। भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी।

तुला : व्यावसायिक क्षेत्र में लाभ के आसार बनेंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। शासन-सत्ता व राजकीय क्षेत्र के लोगों की क्रियाशीलता बढ़ेगी। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

वृश्चिक : दायित्वों की समयानुकूल पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। पुरानी बातों को भूलने की चेष्ठा करें। आलस्य का त्याग करें। किसी नई योजना पर विचारमग्न होंगे। उच्च महत्वाकांक्षा जल्द ऊंची प्रगति के लिए प्रेरित करेंगी।

धनु : महत्वपूर्ण जगहों पर अपने वाणी पर संयम रखने की चेष्ठा करें। कोई अप्रत्यासित समाचार अचम्भित कर सकता है। कहीं-कहीं ज्यादा बोलना हानिकारक हो सकता है। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा।

मकर : नौकरी का वातावरण सुखद होगा। असमाजिक तत्वों से दूरी बनायें। निकट संबंधों में कुछ अप्रिय बातें दूरी पैदा करेंगी। राजनीतिज्ञों के लिए समय लाभप्रद रहेगा। जीवन साथी का स्नेह प्राप्त होगा।

कुंभ : मूल्यवान समय को व्यर्थ में जाया न करें। ईरीय आस्था में वृद्धि होगी। अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रम का लाभ प्राप्त होगा। भौतिक आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी।

मीन : महत्वाकांक्षाओं को फलित करने में असमर्थता संभव। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव। माता के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिजनों की छोटी-छोटी बातों का बुरा न मानें। निराशावादी विचारों का त्याग करें।

हिन्दी बेल्ट में राधेश्याम पर भारी पड़ी द कश्मीर फाइल्स

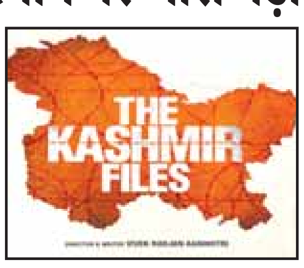

बाहुबली के बाद पूरे भारत के सितारे बने अभिनेता प्रभास की फिल्म राधेश्याम को हिन्दी बेल्ट में जबरदस्त असफलता का सामना करना पड़ा है। पहले दिन के जारी हुए आंकड़ों को देखने के बाद यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि इस फिल्म ने आलिया भट्ट की गंगूबाई काठियावाड़ी के मुकाबले बॉक्स ऑफिस पर 50 प्रतिशत कारोबार किया है। इन दिनों पूरे देश में सिनेमाघरों को 100 प्रतिशत ऑक्यूपेसी के साथ खोल दिया गया है, जबकि गंगूबाई काठियावाड़ी के प्रदर्शन के वक्त 50 प्रतिशत क्षमता के साथ सिनेमाघर खुले हुए थे। गंगूबाई ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 10 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी, जबकि प्रभास की राधेश्याम सिर्फ 4.50 करोड़ के आंकड़े को छू पाई है।

भारतीय स्टार प्रभास और अदाकारा पूजा हेगड़े स्टारर निर्देशक राधा कृष्ण कुमार की इस फिल्म को काफी विशाल स्तर पर बनाया गया था। 70 के दशक की प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म की ज्यादातर शूटिंग यूरोप की खूबसूरत वादियों में हुई थी। फिल्म स्टार प्रभास और पूजा हेगड़ी की रोमांटिक केमिस्ट्री ही इस फिल्म की मेन यूएसपी थी। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक हिंदी दर्शकों के बीच ये केमिस्ट्री फुस्स होती दिखाई दी है। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन हिंदी सिनेमाघरों से उम्मीद से बेहद कम कुल 4.50 करोड़ रुपये की ही कमाई की है।

प्रभु देवा अभिनीत रेकला पर काम शुरू

निर्देशक यू अंबरसन की नई फिल्म रेकला पर काम शहर में एक साधारण पूजा के साथ शुरू हुआ, जिसमें निर्देशक-अभिनेता प्रभु देवा मुख्य भूमिका में हैं। अंबरसन को उनकी पिछली फिल्म वाल्टर के लिए जाना जाता है, जो एक एक्शन थ्रिलर थी, जिसमें सिबी सत्यराज मुख्य भूमिका में थे।

प्रभु देवा की 58वीं फिल्म रेकला का निर्माण ओलंपिया मूवीज के एस अंबेथ कुमार कर रहे हैं।

जाने-माने निर्देशक मैस्किन ने फिल्म के पहले शॉट के लिए क्लैपबोर्ड बजाकर आधिकारिक तौर पर फिल्म का शुभारंभ किया।

फिल्म के लिए संगीत घिबरन ने दिया है। फिल्म की यूनिट के करीबी सूत्रों का कहना है कि यह काफी बड़े बजट की फिल्म होगी और यह फिल्म ग्रामीण एंटरटेनर होगी।

किनुआ की जीरो ऑयल में पकी ये रेसिपी है बेहद टेस्टी और हेल्दी

किनुआ बोल सुबह उठते ही खाने को मिल जाए तो आपका पूरा दिन एनर्जेटिक और चुस्त-दुरुस्त रहता है। ऊपर से जब पता चले कि किनुआ का बोल जीरो ऑयल में पका है तो इससे आपकी सेहत भी बरकरार रहती है।

सामग्री :

2/3 कप बिना पका हुआ किनुआ, 1/3 कप ड्राई क्रेनबेरी, 1/3 कप सूरजमुखी के बीज, 1 कप संतरे, 2 टेबलस्पून शहद, 2 टेबलस्पून एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल, एक चुटकी नमक

विधि :

- सॉसपैन में किनुआ और पानी डालकर उबाल आने दें। आंच कम कर दें। जब तक कि पानी पूरी तरह से अवशोषित न हो जाए, इसे उबलने दें।
- एक बोल में संतरे से जूस निकालें। इस जूस को ड्रेसिंग के रूप में इस्तेमाल करें।
- पके हुए किनुआ को एक बड़े बोल में निकालें। इसमें संतरे, ड्राई क्रेनबेरी और सूरजमुखी के बीज डालें।
- अब इस मिश्रण को अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को ज्यादा तेजी से न मिलाएं, वरना संतरा टूट जाएगा।
- इसकी ड्रेसिंग बनाने के लिए एक बोल में संतरे का जूस लें। इसमें शहद, एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल और नमक डालकर मिलाएं।
- ड्रेसिंग को किनुआ मिश्रण पर डालें और अच्छी तरह मिक्स करें। अब चुकंदर की पतली-पतली स्लाइसेज से गार्निश करें।
- इसे फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। इस सैलेड को ठंडा सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 12

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रात:, सबेरा।

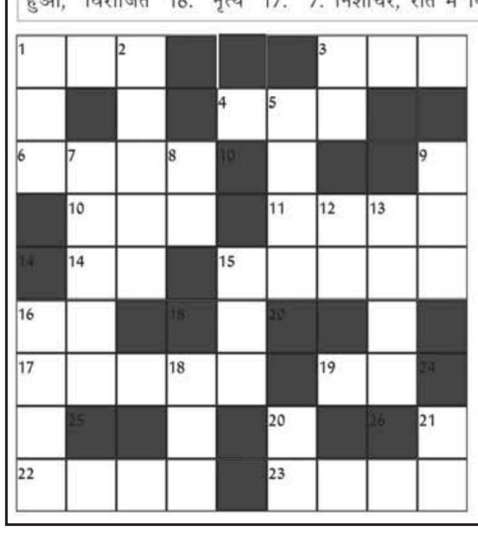

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 011 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

सू-दोकू- 12

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.011 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2